

# कीला कफ सिरप



गुणकारी जड़ी-बूटियों से बनाया गया एक हर्बल सिरप

# खांसी क्या है?

खांसी आपके शरीर की प्राकृतिक अनैच्छिक क्रिया है जो आपके वायुमार्ग की जलन को साफ करने और संक्रमण को रोकने में मदद करती है। यह एक ऐसा तरीका है जिसमें हमारे शरीर को बाहरी कणों, रोगाणुओं, चिड़चिड़ाहट, बलगम और बैक्टीरिया से छुटकारा मिलता है - गले से अन्य एलर्जी के बीच।



# हम खांसी क्यों करते हैं?

जब कोई चीज आपके गले में फँसती है, तब आप खांसी करते हैं, चाहे वह नाक की डिप हो या धूल। यह आपके फेफड़ों और विंडपाइप को साफ करने में भी मदद करता है। फ्लू और जुकाम जैसी कई खांसी अपने आप दूर हो जाएगी।





# खांसी का कारण क्या है?

- धुआं
- वायरस
- एलर्जी और अस्थमा
- जलन
- नाक डिंप
- एसिड रिफ्लक्स
- अन्य कारण

KEVA

# कीवा कफ सिरप



कोई  
एलकोहॉल  
नहीं

कोई लत  
लगाने वाली  
वस्तु नहीं

इसके सेवन से  
नींद नहीं आती



एक पारंपरिक  
फार्मूला

श्वास नाली को साफ रखने  
में मदद करता है

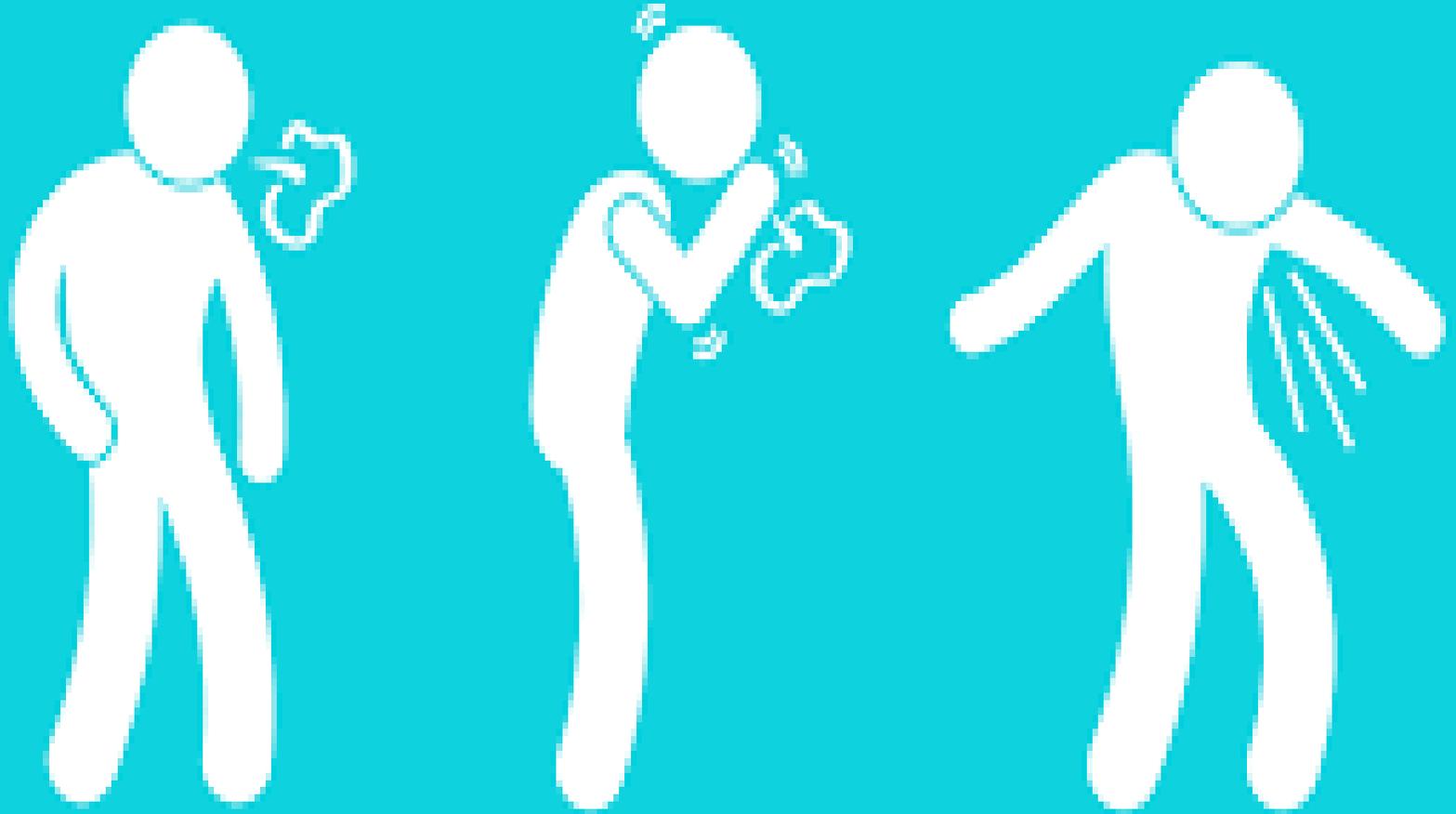
तुलसी, मुलेठी  
और शहद से तैयार



एक सुरक्षित  
नॉन-अल्कोहोलिक और  
नॉन-सीडेटिव सिरप है जो  
श्वसन तंत्र और  
मांसपेशियों के सामान्य  
कार्य में सहायता करता है



सामान्य सर्दी, फ्लू, एलर्जी, या अन्य सांस की बीमारियों के कारण होने वाले लक्षणों का अस्थायी उपचार करने के लिए उपयोग किया जाता है



एक प्राकृतिक चिकित्सा

खांसी से तुरंत राहत

होम मेड  
फॉर्मूला



गीली और सूखी  
खांसी दोनों में  
फायदेमंद



# इसमें मौजूद है

- अथाटोड़ा वसीका
- ओसीमम सैंकटम
- पाइपर लॉंगम
- जिंजिबर ओफिसिनल
- सोलानम कजेन्थोकारपम
- हेडीच्यूम स्पिकेतुम
- गिल्यकररहिजा ग्लबरा
- मेंथा पिपरिता
- शहद



# अधाटोड़ा वसीका

आयुर्वेदिक चिकित्सा में, मालाबार अखरोट (अधाटोड़ा वासिका) कई विकारों के लिए इस्तेमाल किया गया है जैसे ब्रॉंकाइटिस, कुष्ठ रोग, रक्त विकार, हृदय की परेशानी, प्यास, दमा, बुखार, उल्टी, स्मृति, ल्यूकोडर्मा, पीलिया, ट्यूमर, मुंह की परेशानी, गले में खराश, बुखार और सूजाक। *Adhatoda vasica* ब्रॉंकाइटिस, तपेदिक और अन्य फेफड़ों और ब्रॉन्कियल विकारों के इलाज में उपयोगी है। इसकी पत्तियों का काढ़ा खांसी और जुकाम के अन्य लक्षणों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है



# ओसीमम सैंकटम (तुलसी)

ओसीमम सैंकटम अल्सर की संभावना को कम करता है। तुलसी के पत्तों का काढ़ा आम सर्दी के लिए एक लोकप्रिय उपाय है



# पाइपर लॉंगम (लॉन्ग पाइपर)

पारंपरिक चिकित्सा में पाइपर लॉंग फल का उपयोग किया गया है, जिसमें आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति भी शामिल है। इसका उपयोग आमतौर पर पुरानी ब्रॉंकाइटिस, अस्थमा, कब्ज, दस्त, हैजा, पुरानी मलेरिया, वायरल हेपेटाइटिस, श्वसन संक्रमण, पेट दर्द, ब्रॉंकाइटिस, खांसी और ट्यूमर के इलाज के लिए किया जाता है।



# जिंजिबर ओफिसिनल (अदरक)

Zingiber officinale का उपयोग बुखार, ब्रॉन्कियल अस्थमा और खांसी के प्रबंधन के लिए हजारों वर्षों से किया जाता है। अदरक का उपयोग अक्सर गले में खराश को शांत करने और खांसी को कम करने के लिए किया जाता है, विशेष रूप से सामान्य सर्दी के कारण



# सोलानम कज़ेन्थोकारपम (येल्लो- फ्रूट नाइट्स)

यह पेशाब को सही रखने में मदद करता है और रक्त परिसंचरण को बढ़ावा देने वाली श्वसन प्रणाली की रक्षा करता है।  
इससे गले की जलन में आराम मिलता है।  
यह छाती से बलगम के स्राव में मदद करके आरामदायक श्वास को बढ़ावा देता है।  
इससे कब्ज और पेट साफ होता है।  
यह अस्थमा, खांसी और सर्दी को कम करता है।



# हेडीच्यूम स्पिकेतुम

यह जिगर की समस्याओं के उपचार में उपयोगी है, और बुखार, उल्टी, दस्त, सूजन, दर्द और सांप के इलाज में भी उपयोग किया जाता है।

जड़ का उपयोग तिब्बती चिकित्सा में किया जाता है, इसका उपयोग रक्त को गाढ़ा करने के कारण अपच और खराब परिसंचरण के उपचार में किया जाता है



# गिल्कररहिज़ा गलबरा (मुलेठी)

गिल्कररहिज़ा गलबरा ब्रॉंची नलिकाओं की सूजन में प्रभावी है। यह ब्रॉन्कियल स्राव को बढ़ाता है या इसकी चिपचिपाहट को कम करता है, जिससे खांसी को दूर करने में सुविधा होती है



# मेंथा पिपरिता (पुदीना)

आयुर्वेद में सदियों से पुदीने का इस्तेमाल औषधि के रूप में हो रहा है। ठंड लगने पर सांस की नली अक्सर सूज जाती है और फिर गले में दर्द होने लगता है। इससे आराम पाने के लिए पुदीने के पत्ते का काढ़ा बनाकर सेवन करने से सांस की नली की सूजन से आराम मिलती है।

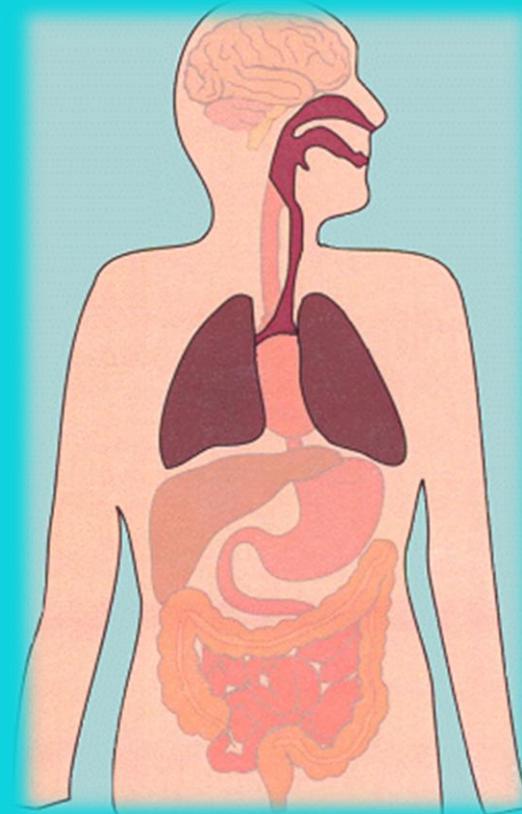
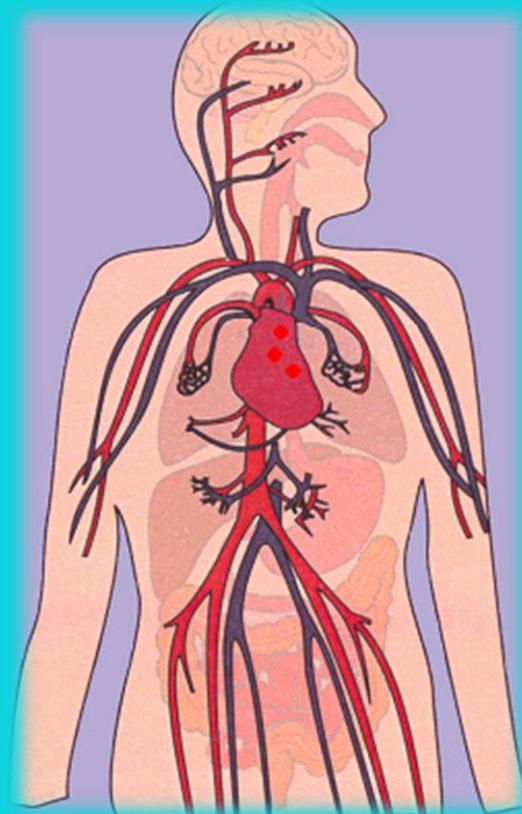


# शहद

शहद खांसी के लक्षणों को कम कर सकता । हनी शायद खांसी से राहत प्रदान करने और रात में बच्चों की नींद पर खांसी के प्रभाव को कम करने में अधिक प्रभावी है



# कफ को रोकने वाला असरकारक एक्शन



सूक्ष्मजीव  
विरोधी

रोग  
प्रतिरोधक  
क्षमता बढ़ता  
है

एलर्जी  
विरोधी

आराम दिलाता  
है



कोई  
एलकोहॉल  
नहीं



एलर्जी  
विरोधी  
सूत्र

कफ्रोत्सारक  
फार्मूला

पुराना  
पारंपरिक  
फार्मूला

इसके सेवन से नींद नहीं आती

कोई लत  
लगाने वाली  
वस्तु नहीं

एंटीट्यूसिव  
फॉर्मूला



प्रभावी रूप से खांसी  
को नियंत्रित करता है



गले की जलन से राहत दिलाता है



छाती में जमाव  
से राहत  
दिलाता है

# सेवन का तरीका

वयस्क : 1-2 चम्मच 3 बार

बच्चे : आधा चम्मच 3 बार

इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह हिलायें



# कीवा इंडस्ट्रीस

एक आई.एस.ओ 9001:2015 प्रमाणित  
कंपनी

वेबसाइट: [www.kevaind.org](http://www.kevaind.org)

# धन्यवाद

धन्यवाद